



23 March, 2024

सरकार की तथ्य जाँच इकाई (फैक्ट चेक यूनिट)

संदर्भ: उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में संशोधित सूचना प्रौद्योगिकी (IT) नियमों को चुनौती देने वाले मुद्दे पर बॉम्बे उच्च न्यायालय के अंतिम फैसले के लंबित रहने तक प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) के तहत केंद्र की तथ्य जाँच इकाई (FCU) की अधिसूचना पर रोक लगा दी है।

➤ पृष्ठभूमि: आईटी नियम 2021 में संशोधन

- सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम 2023 अप्रैल 2023 में अधिसूचित किए गए थे।
- इस संशोधन ने केंद्र सरकार के व्यवसाय से संबंधित ऑनलाइन सामग्री की तथ्य-जांच करने के लिए एक कानूनी तंत्र पेश किया।

➤ पीआईबी के तहत एफसीयू की अधिसूचना

- संशोधित नियमों पर अंतरिम रोक लगाने की याचिका के संबंध में उच्चतम न्यायालय की सुनवाई से एक दिन पहले 20 मार्च को तथ्य जांच इकाई (एफसीयू) को अधिसूचित किया गया था।
- इस अधिसूचना ने एफसीयू को कानूनी दर्जा दिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर "फर्जी" सामग्री को हटाने के लिए दायित्व लगाए।

➤ मुख्य घटक

- **सोशल मीडिया सेल:** इसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और पहलों के बारे में समाचार प्रसारित करने का काम सौंपा गया।
- **केंद्रीय कार्य बल (CTF):** चेन्नई में स्थित, यह राज्य के लिए आधिकारिक तथ्य-जांच इकाई के रूप में कार्य करता है और सूचना प्रसार में सटीकता सुनिश्चित करता है।



FCU'S WORKFLOW



➤ पीआईबी की तथ्य-जांच इकाई का अस्तित्व

- प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) में चार वर्ष से अधिक समय से एक आधिकारिक तथ्य-जांच इकाई है।
- सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एफसीयू, भारत सरकार की मीडिया और प्रचार शाखा के रूप में कार्य करता है।

➤ पीआईबी की तथ्य-जांच इकाई की गतिविधियाँ

- नवंबर 2019 में अपनी स्थापना के बाद से, इस इकाई ने कई व्हाट्सएप फॉरवर्ड, यूट्यूब वीडियो और मीडिया लेखों की तथ्य-जांच की है।
- नवंबर 2020 और जून 2023 के बीच, एफसीयू ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर "फर्जी समाचार" के 28,380 मामलों का समाधान किया।

➤ एफसीयू की कार्यप्रणाली

- एफसीयू भ्रामक सामग्री की पहचान करता है और उसे विशिष्ट प्रकार से चिह्नित करता है, फिर सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से अपने निष्कर्षों को प्रचारित करता है।
- यह शिकायतों का जवाब देता है और आधिकारिक सरकारी स्रोतों के खिलाफ उनका मूल्यांकन करता है।
- एफसीयू दो-चरणीय प्रक्रिया का उपयोग करता है:
- शिकायतों पर शोध करना और कंटेंट सामग्री बनाना और
- प्रसारित करने से पहले संबंधित मंत्रालयों के साथ क्रॉस-रेफरेंस करना।

➤ कानूनी प्रभाव और भविष्य के निहितार्थ

- यदि उच्चतम न्यायालय 20 मार्च की अधिसूचना पर लगी रोक हटाता है, तो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को कानूनी तौर पर फ्लैग की गई सामग्री को हटाना होगा या उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे।
- गलत सूचना से निपटने की ये शक्तियाँ ऑनलाइन चर्चा को काफ़ी हद तक प्रभावित कर सकती हैं, खास तौर पर आगामी चुनावों के दौरान।

व्यवसाय में हीट वेव और गर्भपात

संदर्भ: तमिलनाडु के छह जिलों में किए गए एक अध्ययन में पाया गया, कि गर्भवती महिलाएं अनौपचारिक क्षेत्र में, मुख्य रूप से कृषि, ईट भट्टों, नमक के खेतों और निर्माण में कड़ी मेहनत कर रही हैं।

➤ गर्भवती महिलाओं पर हीटवेव का प्रभाव:

- भारत जैसे उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में होने वाली हीटवेव गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती हैं, विशेष रूप से व्यावसायिक क्षेत्रों में होने वाली गर्मी के संपर्क के कारण यह और अधिक खतरनाक हो जाती है।
- यह संपर्क माताओं और उनके अजन्मे बच्चों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम उत्पन्न करता है, जिससे गर्भपात या मृत जन्म की संभावना दोगुनी हो जाती है।

➤ अध्ययन अवलोकन:

- यह अध्ययन तमिलनाडु के छह जिलों में किया गया था, जिसमें कृषि, ईट भट्टों, नमक के बर्तनों और निर्माण स्थलों सहित अनौपचारिक क्षेत्र में भारी शारीरिक श्रम में लगी गर्भवती महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
- ये महिलाएँ आमतौर पर अत्यधिक गर्मी की स्थिति में सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक लंबे समय तक काम करती हैं। साथ ही अक्सर शौचालय और छाया जैसी पर्याप्त सुविधाओं तक पहुँच के बिना, उन्हें सुरक्षित पेयजल की सीमित पहुँच के कारण पानी की बोतलें ले जाने की आवश्यकता होती है।
- शोधकर्ताओं ने गर्भावस्था के आठ से 14 सप्ताह के बीच कुल 800 महिलाओं को भर्ती किया, जिनमें से आधी तुलना के उद्देश्य से औपचारिक क्षेत्र में कार्यरत थीं।

➤ आंकड़े:

- बढ़ती गर्मी के संपर्क में आने वाले समूह में प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों की उच्च दर प्रदर्शित हुई, जिसमें गर्भपात की दर 5%, मृत जन्म या समय से पहले जन्म 6.1% और कम वजन वाले बच्चे 8.4% शामिल हैं।
- इसके विपरीत, अपनी नौकरी में गर्मी के संपर्क में नहीं आने वाली महिलाओं में प्रतिकूल परिणामों की दर कम देखी गई, जिसमें गर्भपात की दर 2%, मृत जन्म या समय से पहले जन्म 2.6% और कम वजन वाले बच्चे 4.5% थे।

Face to Face Centres





23 March, 2024

➤ **बढ़ती गर्मी के जोखिम का मेट्रिक्स:**

- इस अध्ययन में बढ़ती ग्रीष्म अवधि के दौरान वार्षिक औसत 27.1 डिग्री सेल्सियस के साथ, गर्मी के जोखिम को मापने के लिए वेट बल्ब ग्लोब तापमान (WBGT) का उपयोग किया गया था।
- प्रारंभिक गर्भावस्था के दौरान थ्रेशोल्ड लिमिट वैल्यू (TLV) से अधिक WBGT स्तर गर्भपात के बढ़ते जोखिम से जुड़े थे।

➤ **शारीरिक प्रभाव:**

- हालिया अध्ययन में 17.4% उच्च जोखिम का सामना करने वाले श्रमिकों के शारीरिक तापमान में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 29.6% श्रमिक मध्यम निर्जलीकरण का अनुभव कर रहे थे।
- यह जोखिम दूसरे और तीसरे तिमाही के दौरान भ्रूण के विकास को बाधित करता पाया गया, जिससे जन्मजात जन्म दोषों का खतरा बढ़ गया।

➤ **जोखिम कारक:**

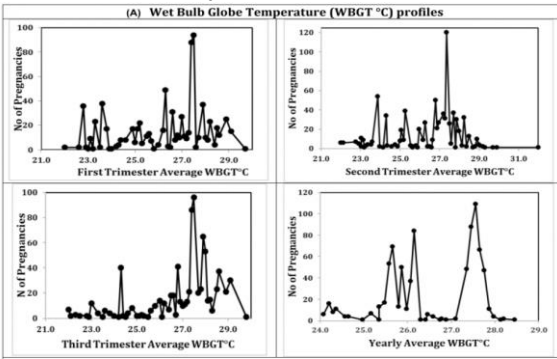
- पहली तिमाही के दौरान TLV के कारण गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं में 3.1 गुना अधिक वृद्धि देखी गई है।
- इसी तरह, तीसरी तिमाही में WBGT TLV जोखिम प्रतिकूल जन्म परिणामों की संभावना को दोगुना कर देता है।
- कुल मिलाकर, सभी तिमाहियों में प्रतिकूल भ्रूण या मातृ परिणामों के 2.2 गुना बढ़े हुए खतरों का कारण बढ़ता ताप और हीट वेव पाया गया।

➤ **शारीरिक तंत्र और भविष्य के शोध:**

- व्यापक शोध के बावजूद, गर्भवती महिलाओं पर ताप जोखिम के प्रभाव के और उसके अंतर्निहित शारीरिक तंत्र की समझ अभी भी अधूरी है।
- पिछले अध्ययनों ने सुझाव दिया है, कि बढ़े हुए तापमान भ्रूण की शारीरिक विकास में बाधा डाल सकते हैं।

➤ **गर्मी से सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता:**

- गर्मी के संपर्क में आने वाले अधिकांश श्रमिकों ने मूत्रजननांगी संबंधी लक्षणों की रिपोर्ट की है, जो संभावित रूप से गर्भावस्था की जटिलताओं से जुड़े हैं।
- अनुमानित वैश्विक तापमान वृद्धि को देखते हुए, जोखिम को कम करने के लिए गर्भवती श्रमिकों के लिए गर्मी से सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।



भारतीय राष्ट्रीय इंटरनेट एक्सचेंज

संदर्भ: सार्वभौमिक स्वीकृति (यूए) दिवस समारोह के दौरान, भारतीय राष्ट्रीय इंटरनेट एक्सचेंज (एनआईएक्सआई) और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमआईटीवाई) ने भाषाएं पोर्टल को सफलतापूर्वक लॉन्च करने के लिए आपस में सहयोग किया।

NIXI की स्थापना 2003 में एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में की गई थी, जो कंपनी अधिनियम 2013 के वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्य करता है।

➤ **उद्देश्य और कार्य:**

- NIXI का प्राथमिक उद्देश्य भारत के डिजिटल परिदृश्य में इंटरनेट सेवा प्रोटोकॉल (ISP) के उपयोग को अनुकूलित करना है।
- इसके प्रमुख कार्यों में से एक देश की सीमाओं के भीतर धरलू इंटरनेट ट्रैफिक की रूटिंग को सुविधाजनक बनाना है, जिससे विलंबता को कम करके सेवा की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इंटरनेट ट्रैफिक की स्थानीय रूटिंग को बढ़ावा देकर, NIXI ISP को अंतर्राष्ट्रीय बैंडविड्थ शुल्क बचाने में मदद करता है, जिससे अंततः उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा गुणवत्ता का लाभ मिलता है।
- NIXI आम जनता के लिए इंटरनेट पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधन करके और इसे सक्षम बनाकर पूरे भारत में इंटरनेट पैठ और अपनाने के विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

➤ **.IN डोमेन का प्रबंधन:**

- NIXI को भारत के कंट्री कोड टॉप लेवल डोमेन (ccTLD) का प्रबंधन सौंपा गया है, जो .IN है।
- भारत सरकार ने 2004 में INRegistry के संचालन को NIXI को सौंप दिया, जिससे इसे भारत के .IN ccTLD की देखरेख और प्रबंधन करने की जिम्मेदारी मिली ताकि इसका सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित हो सके।

➤ **राष्ट्रीय इंटरनेट रजिस्ट्री (एनआईआर):**

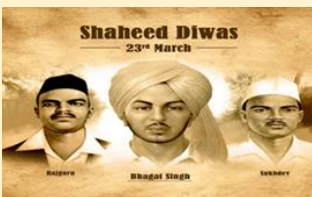
- डोमेन नामों के प्रबंधन के अलावा, NIXI; भारतीय इंटरनेट नाम और संख्या रजिस्ट्री (IRINN) का भी संचालन करता है, जो राष्ट्रीय इंटरनेट रजिस्ट्री के रूप में कार्य करता है।
- IRINN भारतीय साइबरस्पेस के भीतर आईपी पते और डोमेन नामों के आवंटन और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

➤ **इंटरनेट एक्सचेंज पॉइंट्स (IXPs) का प्रचार:**

- NIXI भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इंटरनेट एक्सचेंज पॉइंट्स (IXPs) की स्थापना को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है और उसका समर्थन करता है।
- IXPs देश के भीतर इंटरनेट ट्रैफिक के कुशल आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही ये देश भर में एक मजबूत और परस्पर जुड़े इंटरनेट बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान करते हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

शहीद दिवस



आज देश शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का शहादत दिवस मना रहा है।

शहीद दिवस के बारे में:




- 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली स्थित केंद्रीय विधान सभा में बम फेंके।
- 23 मार्च 1931 को लाहौर की सेंट्रल जेल में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी।
- उनके अद्वितीय बलिदान को याद करने के लिए इस दिन को 'शहीद दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- भगत सिंह अपने साथियों राजगुरु और सुखदेव के साथ अपने साहसिक कारनामों से देश के युवाओं के लिए प्रेरणा बने।
- भगत सिंह के पैतृक गांव, शहीद भगत सिंह नगर जिले के खटकरकलां और पंजाब के फिरोजपुर जिले के हुसैनीवाला में राष्ट्रीय शहीदी स्मारक पर विशेष शहादत समारोह आयोजित किए जाते हैं।

Face to Face Centres





23 March, 2024

<p style="text-align: center;">ऑक्स (AUKUS)</p> 	<p>हाल ही में, लागत, क्षमताओं और डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित वापसी पर चिंताओं के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने परमाणु-संचालित पनडुब्बियों को विकसित करने के लिए AUKUS सौदे पर आगे बढ़ने के की पुष्टि की है।</p> <p>ऑक्स के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> AUKUS ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सुरक्षा समझौता है, जिसे सितंबर 2021 में स्थापित किया गया था। इसका प्राथमिक उद्देश्य भारत-प्रांता क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए तीनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाना है। ऑस्ट्रेलिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियों के विकास और प्रावधान पर ध्यान केंद्रित करने के कारण AUKUS ने महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया। AUKUS के पनडुब्बी घटक का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया को परमाणु-संचालित आक्रमण पनडुब्बियों (SSNs) से लैस करना है, जिन्हें SSN-AUKUS के नाम से जाना जाता है। ऑस्ट्रेलिया को इन नई पनडुब्बियों में से कुल आठ पनडुब्बियां प्राप्त होंगी जो ब्रिटिश डिजाइन पर आधारित हैं लेकिन इसमें अमेरिकी तकनीक या युद्ध प्रणाली शामिल हैं। यह ब्रिटेन के अलावा किसी अन्य सहयोगी के साथ अमेरिका द्वारा परमाणु प्रणोदन तकनीक साझा करने का पहला उदाहरण है।
<p style="text-align: center;">पुष्पक पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान</p> 	<p>हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में पुष्पक पुनः प्रयोज्य लॉन्च वाहन (आरएलवी) का लैंडिंग प्रयोग सफलतापूर्वक किया।</p> <p>पुष्पक पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> पुष्पक पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान (आरएलवी) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित एक एयरोस्पेस वाहन है। इसे अंतरिक्ष में स्वायत्त रूप से लॉन्च करने, निर्दिष्ट मिशन पूरा करने और पुनः उपयोग के लिए पृथ्वी पर लौटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उद्देश्य पुनः प्रयोज्य प्रौद्योगिकी को नियोजित करके अंतरिक्ष तक पहुंच की लागत को कम करना है, जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण अधिक किफायती और सतत हो सके। पुष्पक की जटिल उड़ान परिदृश्यों की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, अधिक कठिन परीक्षण किया गया। मिशन ने अंतरिक्ष से लौटते समय उच्च गति लैंडिंग स्थितियों और दृष्टिकोणों का अनुकरण किया। पुष्पक RLV एक विमान जैसा दिखता है, जिसमें बॉडी, नोज़ की टोपी, डबल डेल्टा पंख और जुड़वां ऊर्ध्वाधर पूंछ है, जो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में प्रगति को दर्शाती है। इसरो ने RLV-TD के साथ पिछले परीक्षण किए, जिसमें 2016 में पहली उड़ान भी शामिल थी, जिसका लक्ष्य हवाई जहाज के समान अंतरिक्ष में कई उड़ान भरने में सक्षम अंतरिक्ष यान विकसित करना है।
<p style="text-align: center;">कपास उत्पादन और खपत समिति</p> 	<p>हाल ही में, कपास उत्पादन और खपत समिति (सीओसीपीसी) ने सितंबर में समाप्त होने वाले चालू सीजन के लिए कपास उत्पादन लगभग 323 लाख गांठ रहने का अनुमान लगाया है वहीं निर्यात 27 लाख गांठ तक पहुंचने की संभावना है।</p> <p>कपास उत्पादन और खपत समिति के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> कपास उत्पादन और खपत समिति (सीओसीपीसी) एक सरकारी निकाय है जो देश के कपास उत्पादन, खपत, आयात और निर्यात की निगरानी करता है। यह कपास उत्पादन और खपत के मामलों पर सरकार को सलाह भी देता है। इसमें कपास किसानों सहित कपड़ा उद्योग के सभी हितधारक शामिल होते हैं। यह कपड़ा उद्योग को कपास की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद करता है। <p>कपास के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> कपास एक अर्ध-शुष्क प्रदेशीय पौधा (semi-xerophyte) है और भारत में एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसल है, जो वैश्विक कपास उत्पादन में लगभग 25% का योगदान करती है। देश में इसके आर्थिक महत्व के कारण इसे अक्सर "सफेद सोना" कहा जाता है। भारत का लगभग 67% कपास वर्षा आधारित क्षेत्रों में उगाया जाता है, जबकि 33% सिंचित क्षेत्रों में उगाया जाता है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जो कपास की सभी चार प्रजातियों की खेती करता है: गॉसिपियम आर्बोरियम, जी. हर्बेशियम, जी. बारबेडेंस और जी. हिर्मुटम। दस प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों को तीन कृषि- पारिस्थितिकीय क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है: उत्तरी क्षेत्र (पंजाब, हरियाणा और राजस्थान), मध्य क्षेत्र (गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश) और दक्षिणी क्षेत्र (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु)।





23 March, 2024

सुर्खियों में स्थल

फिनलैंड

हाल ही में, फिनलैंड ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी UNRWA को फंडिंग फिर से शुरू करने के अपने फैसले की घोषणा की।

फिनलैंड (राजधानी: हेलसिंकी)

अवस्थिति: फिनलैंड उत्तरी यूरोप में स्थित एक नॉर्डिक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: फिनलैंड की सीमाएँ नॉर्वे (उत्तर), रूस (पूर्व), फिनलैंड की खाड़ी (दक्षिण), बोथनिया की खाड़ी (दक्षिण-पश्चिम), स्वीडन (उत्तर-पश्चिम) और बाल्टिक सागर (दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम) से मिलती हैं।

भौगोलिक विशेषताएं:

- फिनलैंड के उत्तरी भाग में लैपलैंड में ऊबड़-खाबड़, बंजर पहाड़ (फेल्स) पाए जाते हैं, जैसे प्रसिद्ध लेवी और य्लासा
- केमीजोकी फिनलैंड की सबसे लंबी नदी है, जिसकी उत्पत्ति सोकोस्टी चोटी के पास होती है।
- साइमा झील फिनलैंड की सबसे बड़ी झील है।



POINTS TO PONDER

- कौन सा संगठन चौथी वैश्विक ई-कचरा निगरानी (जीईएम) 2024 रिपोर्ट तैयार करने के लिए सतत चक्र (एससीवाईसीएल) कार्यक्रम और आईटीयू (अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) के साथ सहयोग करता है? – **UNITAR (संयुक्त राष्ट्र प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान)**
- किस संगठन ने हाल ही में "लाभ और गरीबी: जबरन श्रम का अर्थशास्त्र" शीर्षक से रिपोर्ट जारी की है? – **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)**
- किस संगठन के वैज्ञानिकों ने मधुमेह के उपचार में प्रतिक्रियाशील इंसुलिन वितरण के लिए अग्न्याशय की नकल करने वाली रेशम आधारित हाइड्रोजेल प्रणाली विकसित की है? – **JNCASR (जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र)**
- हाल ही में, भारत ने अपने नागरिकों को हैती से डोमिनिकन गणराज्य तक निकालने के लिए एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान का नाम क्या था? – **ऑपरेशन इंद्रावती**
- सार्वभौमिक स्वीकृति (यूए) की अवधारणा के आधार पर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा हाल ही में किस पोर्टल को लॉन्च किया गया है? – **भाषा नेट (BhashaNet)**

Face to Face Centres

